tions suffers from many deficiencies. The National Policy on Education 1986 envisages recasting of examination system so as to ensure a method of assessment that is a valid and reliable measure of student development and a powerful instrument for improving teaching and learning. It is contemplated that evaluation at institution level will be streamlined and the predominance of external examinations will be reduced. This reform is expected to be brought about over a period of time.

हिन्दी संस्थाओं में ऐच्छिक विषय

2329. **श्री सूरज प्रसाद :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री 18 दिसम्बर, 1985 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न 425 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले 6 वर्षों के दौरान कुछ हिन्दी उतने ही संस्थाओं ने परीक्षार्थियों के लिए साहित्य के विषय के साथ-साथ ऐच्छिक विषय अनिवार्य बना दिये हैं जितने कि मैट्रिक अथवा बी० ए०परीक्षा के लिए पढ़ाये जाते हैं ताकि इन परीक्षाओं को पूर्ण मैट्रिक या बी० ए० के समकक्ष माना जाये ;

(ख) क्या इन संस्थाओं ने केन्द्रीय सरकार को यह सूचित किया है कि वे हिन्दी तथा अन्य विषयों में परीक्षाएं आयोजित कर रहे हैं. यदि हां, तो उन संस्थाओं का नाम बार ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि परीक्षार्थियों को हिन्दी साहित्य सम्मेलन (प्रयाग) इलाहाबाद या हिन्दी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित हिन्दी की परीक्षाओं के अतिरिक्त अन्य विषयों में भी परीक्षा देनी पड़ती है यदि हां, तो वे पूर्ण मैट्रिक या बी०ए० की परीक्षा के समकक्ष मान्य है ; और

(घ) क्या केन्द्रीय सरकार उन परीक्षार्थियों के लिए कोई ऐसा आदेश जारी करने का विचार रखती है जिसके अन्तर्गत जिन्होंने साहित्य की परीक्षा के साथ-साथ अन्य ऐच्छिक विषयों को उत्तीर्ण किया है, वे सरकारी सेवाओं के लिए पूर्णतया पात्र होंगे ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री पी०वी० नरसिंह राव) : (क) से (घ) : हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग सहित देश के विभिन्न भागों में काफी संख्या में स्वैच्छिक हिन्दी संगठन प्रमाणपत्र/डिग्रियां आयोजित करते हैं। प्रदान करते रहे हैं जो सरकार द्वारा मात्र हिन्दी के उस स्तर तक, जिसे उनके बराबर किया गया है के लिए मान्यता दी गई है। इस सम्बन्ध में एक विवरण संलग्न है। (नीचे देखिए) इन हिन्दी परीक्षाओं के प्रमाणपत्रों/डिग्रियों को विश्वविद्यालयों/बोर्डों की समकक्ष हिन्दी परीक्षाओं में निर्धारित केवल हिन्दी के स्तर के संबंध में हिन्दी शिक्षा समिति की सिफारिशों के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदन से भारत सरकार द्वारा मान्यता प्रदान की गई है ताकि वे छात्र जो इन परीक्षाओं को पास करते है सरकारी सेवाओं में रोजगार के पात्रों हो जाएं जिनके लिए, हिन्दी अर्हताएं निर्धारित की गई हैं। हिन्दी संगठनों द्वारा इस प्रकार प्रदान किए गए प्रमाणपत्रों/डिग्रियों से कोई भी व्यक्ति बोर्डों तथा विश्वविद्यालयों द्वारा ली जाने वाली नियमित परीक्षाओं जैसे मैट्रिक, इन्टरमिडियेट बी०ए० आदि में भाग लेने का मात्र नहीं हो जाता। बोर्डों/विश्वविद्यालयों आदि की परीक्षाओं में भाग लेने का पात्र होने के लिए छात्र को उस स्तर के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित विषयों में परीक्षा देनी होती है

विवरण

क्र०सं०	संस्था का नाम	परीक्षा का नाम जिसे मान्यता दी गई	समकक्ष परीक्षा के लिये निर्धारित हिन्दी का स्तर
1.	हिन्दी साहित्य सम्मेलन (प्रयाग) इलाहाबाद	प्रथमा	एस०एल०सी०
		मध्यमा (विशारद)	बी०ए०
		उत्तमा (हिन्दी साहित्य)	बी०ए० (आनर्स–हिन्दी)
2	राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, वर्धा	परिचय	एस०एल०सी०
		कोविद रत्न	इन्टर
3	दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास	प्रवेशिका	बी०ए०
			एस०एल०सी०
		विशारद	इन्टर
		प्रवीण	बी०ए०
4	हिन्दी विद्यापीठ, देवधर	प्रवेशिका	एस०एल०सी०
		साहित्य भूषण	इन्टर
		साहित्यालंकारा	बी०ए०
5	महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पूना	प्रबोध	बी०ए०
		प्रवीण	एस०एल०सी०
		पंडित	इन्टर बी०ए०
6	हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद	विशारद	एस०एल०सी०
		भूषण	इन्टर
		विद्वान	बी०ए०
7	बम्बई–हिन्दी विद्यापीठ, बम्बई	उत्तमा	एस०एल०सी०
		भाषा रत्न	इन्टर
		*साहित्य सुधाकर	बी०ए०
8	गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद	तीसरी	एस०एल०सी०
		विनीत	इन्टर
		सेवक	बी०ए०
9	असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गोहाटी	प्रबोध	एस०एल०सी०
		विशारद	इन्टर
		प्रवीण	बी०ए०
10	हिन्दुस्तानी प्रचार सभा, बम्बई	तीसरी	एस०एल०सी०
		काविल	इन्टर
		*विद्वान	बी०ए०
11	मैसूर हिन्दी प्रचार परिषद्, बंगलौर	प्रवेश	एस०एल०सी०
		उत्तमा	इन्टर
		रत्न	बी०ए०

*प्रेस विज्ञप्ति संख्या एफ० 41–2/70–हिन्दी, दिनांक 20–3–1971 के द्वारा मान्यता दी गई।

क्र० सं०	संस्था का नाम	परीक्षा का नाम जिसे मान्यता दी गई	समकक्ष परीक्षा के लिये निर्धारित हिन्दी का स्तर
12	केरल हिन्दी प्रचार सभा, त्रिवेंद्रम	प्रवेश भूषण साहित्याचार्य	एस०एल०सी० इन्टर बी०ए०
13	मणिपुर हिन्दी परिषद्, इम्फाल	प्रबोध विशारद रत्न	एस०एल०सी० इन्टर बी०ए०
14	कर्नाटक–महिला हिन्दी सेवा समिति, बंगलौर	*हिन्दी उत्तमा *हिन्दी भाषा-भूषण भाषा प्रवीण	एस०एल०सी० इन्टर बी०ए०
15	मैसूर रियासत हिन्दी प्रचार समिति, बंगलौर	*राजभाषा प्रवेश *राजभाषा प्रकाश राजभाषा विद्वान	एस०एल०सी० इन्टर बी०ए०
16	सौराष्ट्र हिन्दी प्रचार समिति, राजकोट	*तीसरी	एस०एल०सी०
17	उड़ीसा राष्ट्रभाषा जगन्नाथ धाम पुरी	विनोद प्रवीण शास्त्री	एस०एल०सी० इन्टर बी०ए०

*प्रैस विज्ञप्ति संख्या एफ० 41–2/70–हिन्दी, दिनांक 20–3–1971 के द्वारा मान्यता दी गई ।

Setting up satellite station in Tripura to upgrade telecommunications

2330. SHRI NARAYAN KAR: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government propose to set up a satellite station in Tripura to up-grade tele-communications system between the towns with its capital;

(b) if so, where it is likely to be set-up and by when the project will be started;

(c) whether Government are aware of the fact that almost all the long distance public call offices in the State is in defunct condition since long; and

(d) if so, what steps are being taken to bring them in service?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) Yes, Sir.

(b) An earth station at Agartala is already in operation. Four additional earth stations namely Kamalpur, Sabram, Belonia and Khowai are proposed to be installed in Tripura State. The project will be started shortly and additional earth stations are expected to come in service during 7th Plan period.

(c) and (d) There are 42 LDP Ts provided on open wire lines. Out of these 35 LDP Ts are working all right. The remaining 7 are out of order due to line interruptions caused by wild elephants, extremist activities and other natural calamities. These 7